राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 14
नागराज
नागराज सीरीज का प्रथम कॉमिक्स
नागराज
का एक पोस्टर
मुफ्त
TM
नागराज सीरीज़
e Comic

राज कॉमिक्स की एक दुर्लभ खोज

नागराज

चित्रकथा: परशुराम शर्मा
चित्रांकन: प्रताप मुलिक
सम्पादक: मनीष चंद्रगुप्त

आतंकवादी गिरोहों की तबाही का देवता

संसार में फैले उग्रवादी संगठनों के नेताओं को प्रोफेसर नागमणि ने गोपनीय निमंत्रण भेजा। बरसों से नागमणि का सम्पर्क इन लोगों से बना हुआ था। प्रोफेसर द्वारा उन्हें महत्त्वपूर्ण सूचनायें मिला करती थीं। लेकिन इस बार कोई विशेष बात थी। प्रोफेसर ने उन्हें सूचना दी थी कि वह आतंकवादी गिरोहों के लिये सबसे खतरनाक हथियार बनाने में कामयाब हो गया है और अब अपने इस हथियार को किराये पर चलाना चाहता है। उसने इस हथियार का नाम रखा था-"नागराज"!
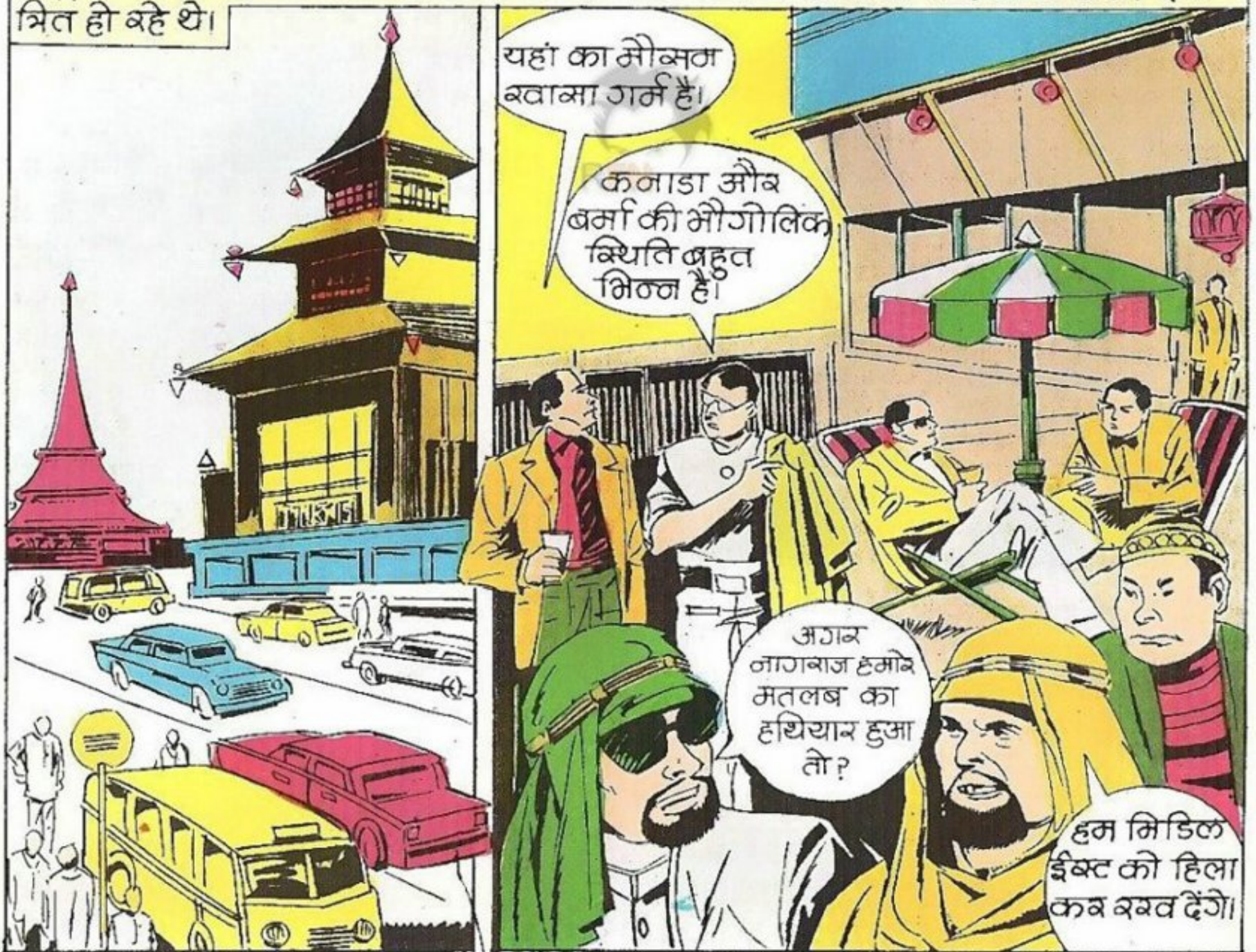
अटेन्शन प्लीज़! आप सभी अतिथियों से अनुरोध है कि आप सेन्ट्रल हॉल में पहुंचकर अपनी-अपनी सीटें ग्रहण कर लें।

सब लोग इमारत के हॉल की ओर बढ़ने लगे।
शायद वह अपने हथियार की बोली लगवाना चाहता है।

इमारत के सेन्ट्रल हॉल में-
दोस्तो! नागराज के निर्माण में मैंने अपनी जिन्दगी के बीस बहुमूल्य वर्ष गंवाये हैं...

...एक नवजात शिशु पर मैंने अपना प्रयोग शुरू किया था, और आज उसकी इक्कीसवीं वर्षगांठ है। उसके भीतर जो थोड़ी-बहुत कमजोरियां हैं, वो अगले कुछ वर्षों में समाप्त हो जायेंगी...

...लेकिन वह इस समय आपके लिये सम्पूर्ण हथियार बन चुका है।
क्या वह कोई कम्प्यूटर है?
हम उसका प्रदर्शन देखना चाहेंगे।
जब तक हम उस हथियार की धार नहीं देख लेते, कैसे यकीन करें?

उसी के लिये आप सब को बुलाया है। आप उसकी उपयोगिता का अनुमान स्वयं लगा सकते हैं। वह कम्प्यूटर नहीं है, परन्तु इंसान होते हुये भी कम्प्यूटर से तेज कार्य की क्षमता रखता है।
आश्चर्यजनक! एक इंसान कम्प्यूटर को मात कर जाये!
हो सकता है यह गप हो।

नागराज अभी सामने के मंच पर प्रकट होगा, जहां आप उसकी क्षमताओं और ताकत का प्रदर्शन देखेंगे।

नागराज मंच पर प्रकट हो गया।
सभी मेहमानों को नागराज का अभिवादन!

आप लोग दुनिया में खतरनाक आतंकवादी संगठनों के सरदार हैं। आप सभी किसी न किसी फन में महारत हासिल किये हुये हैं। आप में से चार ऐसे व्यक्ति मंच पर आ जायें, जिनका निशाना अचूक हो।
हॉल में चार व्यक्ति उठकर मंच पर आ गये।
सबसे पहले आप लोग अपना परिचय दें।

राज कॉमिक्स

वे अपना परिचय देने लगे।
मुझे जानी कहते हैं। मैं टैक्साज़ का सबसे खतरनाक गन मैन हूँ, जिसकी कोई भी गोली आज तक खाली नहीं गई।
मुझे यूसुफ बिन अली खान कहते हैं। मिडिल ईस्ट में मुझे मौत का सौदागर कहा जाता है। अगर आप कहें कि उड़ती चिड़िया की आँख पर गोली मारनी है तो गोली आँख पर ही लगेगी।
मैं डॉन हूँ। यूरोप का सबसे खतरनाक गन मास्टर।
मैं हूँ हुड। पश्चिमी जर्मनी में मुझे निशाने का रॉबिन हुड कहा जाता है।
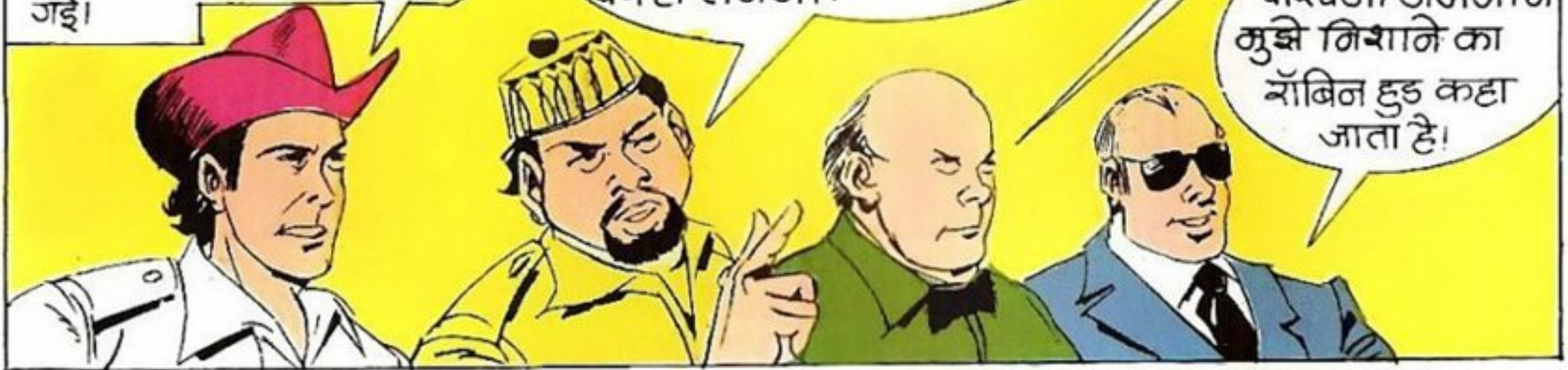
आप लोग शपथ लें कि अपनी गोली से नागराज को खत्म करके नीचे उतरेंगे।
हम सब कसम खाते हैं।

मैं इस घड़ी में अलार्म भर रहा हूँ। एक मिनट के अंदर-अंदर अलार्म बजेगा और अलार्म बजते ही आप अपनी गन निकाल कर नागराज पर फायर कर सकते हैं।

एक मिनट बाद–
ट्रिन
ट्रिन
ट्रिन

आ...आ
उफ्फ
हाय!
शूं शूं शूं...

क्या हुआ?
उन्हें क्या हो गया?
अरे, साँप। उनकी कलाइयों पर मैंने साँप देखे थे।
लेकिन साँप अब हैं कहाँ?
क्या चारों मर गये?
नागराज! उन्हें जीवनदान दो।
चारों को नागराज के जहरीले साँपों ने डस लिया था। नागराज उनका ज़हर खींच कर उन्हें जीवित करने में सक्षम था।
शीघ्र ही-
आप चारों ने क्या देखा?
मैं कुछ देख नहीं पाया। जैसे ही रिवाल्वर मेरे हाथ में आया मैंने कलाई पर एक सर्प को लिपटे देखा, जो डंक मारते ही न जाने कहाँ गायब हो गया?
यही हमारे साथ भी हुआ।

चारों वापिस अपनी सीटों पर बैठ गये।
अब मैं किसी फाइटर को तलब करता हूँ, जो जिस विद्या का फाइटर होगा, नागराज उसी फन का प्रदर्शन करेगा।

मैं मार्शल आर्ट का महारथी हूँ।
यस, आई एम ए कुंग-फू मैन।

मार्शल आर्ट के दोनों योद्धा मंच पर आगए।
और कोई है इस आर्ट का महारथी ?
नागराज तुम दोनों का अकेला प्रतिद्वंदी होगा। इसे खत्म कर दो।

और फिर-
स्वाँय

ठाक
ठाक
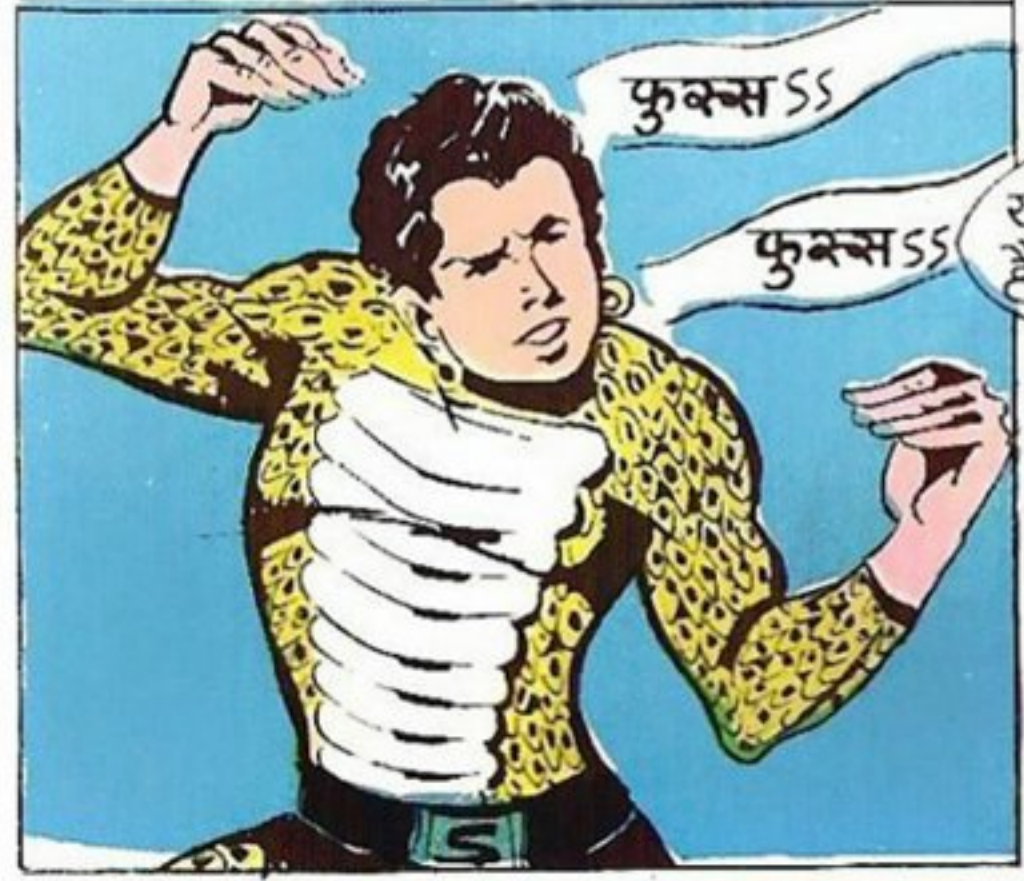
फुस्स ऽऽ
फुस्स ऽऽ
यह स्नेक हैंड है।
मैं इसके सामने पहले दर्जे के बालक की तरह लड़ा।

क्या तुम लोग नागराज की कोई और परीक्षा लेना चाहते हो?

नहीं। हम इस प्रदर्शन से सन्तुष्ट हैं।

प्रोफेसर नागमणि, आपने शानदार हथियार का निर्माण किया है।

इसके अलावा भी नागराज की बहुत-सी विशेषतायें हैं, जो समय आने पर आपको मालूम हो जायेंगी। गोलियों से छलनी होने पर नागराज खुद ही उन्हें निकालकर अपने मार्ग पर चलता बनेगा और इसके शरीर से एक बूँद भी खून नहीं टपकेगा।

इसके शरीर के रक्ताणु आम इंसानों की तरह नहीं हैं। उनकी प्रक्रिया बड़ी तेज और सुरक्षित है। नागराज के जिस्म पर जख्म होते ही उनका काम मशीनी अंदाज में शुरू होता है। पहले ये रक्ताणु अंदर पहुँच चुके हानिकारक पदार्थ को बाहर निकाल देते हैं और फिर...

...किसी माहिर सर्जन की तरह जख्म को बंद कर देते हैं। यह क्रिया बड़ी तेजी से होती है और इस बीच इनका दूसरा दल घाव से रक्तस्राव रोके रहता है...

...और यह हथियार दुनिया के आतंकवादी गिरोहों के लिये तैयार किया गया है। आने वाले पाँच सालों में इसका कोर्स स्वतः पूरा हो जायेगा...

...और पाँच साल बाद नागराज दीवारों से आर-पार होने का कमाल हासिल कर लेगा। किसी दूर की वस्तु को इच्छा-शक्ति से स्पर्श किये बिना उठा लेगा।
गप ही लगती है यह बात

मुझे इसकी आसाम में तोड़फोड़ के लिये तुरन्त जरूरत है।

अब नागराज की बोली लगेगी। सबसे ऊंची बोली को नागराज को भाड़े पर लेने का रेट तय समझा जायेगा और ऊंची बोली वाले को नागराज के प्रयोग के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।
बोली शुरू की जाये।
और मैं इसी जगह बैठे-बैठे दुनिया का सबसे धनवान और ताकतवर इंसान बन जाऊँगा।

पाँच हजार डालर!
दस हजार।

पचास हजार डालर!
एक लाख डालर!

अन्तिम बोली एक लाख डालर। तो नागराज के एक मिशन की कीमत एक लाख डालर निश्चित की जाती है।...

...मि. बुलडाग की बोली सबसे ऊंची है, इसलिए इन्हें नागराज का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है।

...और मिस्टर बुलडाग के सम्मान में हम आज शाम एक पार्टी देंगे।

शाम को पार्टी में -
मिस्टर बुलडाग! बधाई हो। क्या आपने हिन्दुस्तान में तोड़फोड़ के लिये कोई बहुत बड़ा ठेका ले लिया है?
यह तो सौदा है भई। मैं उससे एक करोड़ का डाका भी डलवा सकता हूँ।

फिर तो तुम्हारी निगाह में जरूर कोई बहुत बड़ा खजाना है।
अपना-अपना कारोबार है।
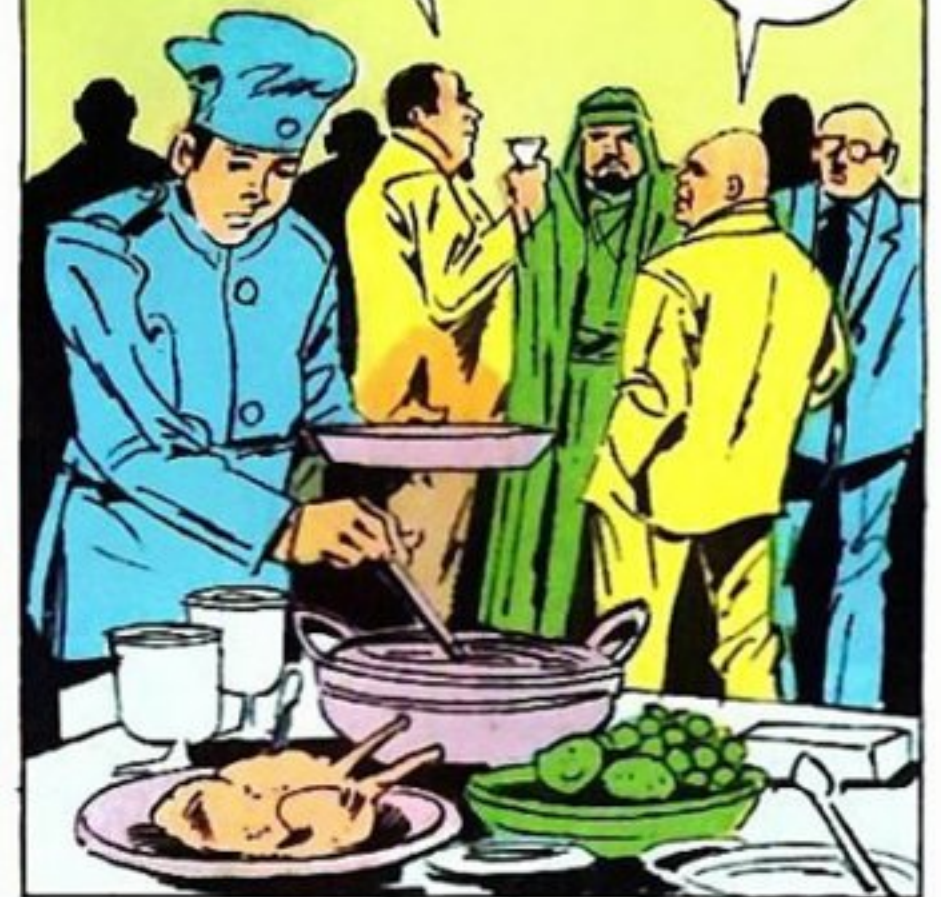
हमारी शुभकामनायें आपके साथ हैं। हम अगले माह की बुकिंग कर लेंगे।
आतंकवादी गिरोहों के सरदारों का यह सम्मेलन समाप्त हो गया और बुलडाग नागराज को लेकर चल पड़ा।

नागराज तुम्हें कबीले वालों के मन्दिर से एक प्राचीन मूर्ति चोरी करनी है।

वह मूर्ति बहुत प्राचीन है। सभी कबीले वाले उसकी पूजा करते हैं और वह एक करोड़ रूपये मूल्य की है।
मूर्ति तो कोई भी चोरी कर सकता है।

तभी-
हैडक्वार्टर आ गया है। बाकी बातें नीचे होंगी।

नागराज! देवी की मूर्ति चोरी करना इतना आसान होता तो कभी की वह मूर्ति चोरी कर ली जाती।
मुश्किल क्या है?

कबीले के मन्दिर में रखी वह मूर्ति पौराणिक है और कबीले के लोग उस मूर्ति के लिए प्राणों का भी बलिदान कर देते हैं।
मैं मूर्ति को आसानी से चुरा लाऊंगा।

लेकिन फिर भी देवी की मूर्ति चोरी करना इतना सरल नहीं है, क्योंकि उसकी रक्षा मन्दिर में रहने वाले सैकड़ों नाग करते हैं।
नाग!
नाग वैसे तो किसी को कुछ नहीं कहते, लेकिन जब कोई मन्दिर में बुरी नीयत से जाता है तो उसे डस लेते हैं।
यह तो बहुत विचित्र मामला है।
हमारे पांच आदमी मारे जा चुके हैं।

मैं मूर्ति चुरा लाऊंगा।
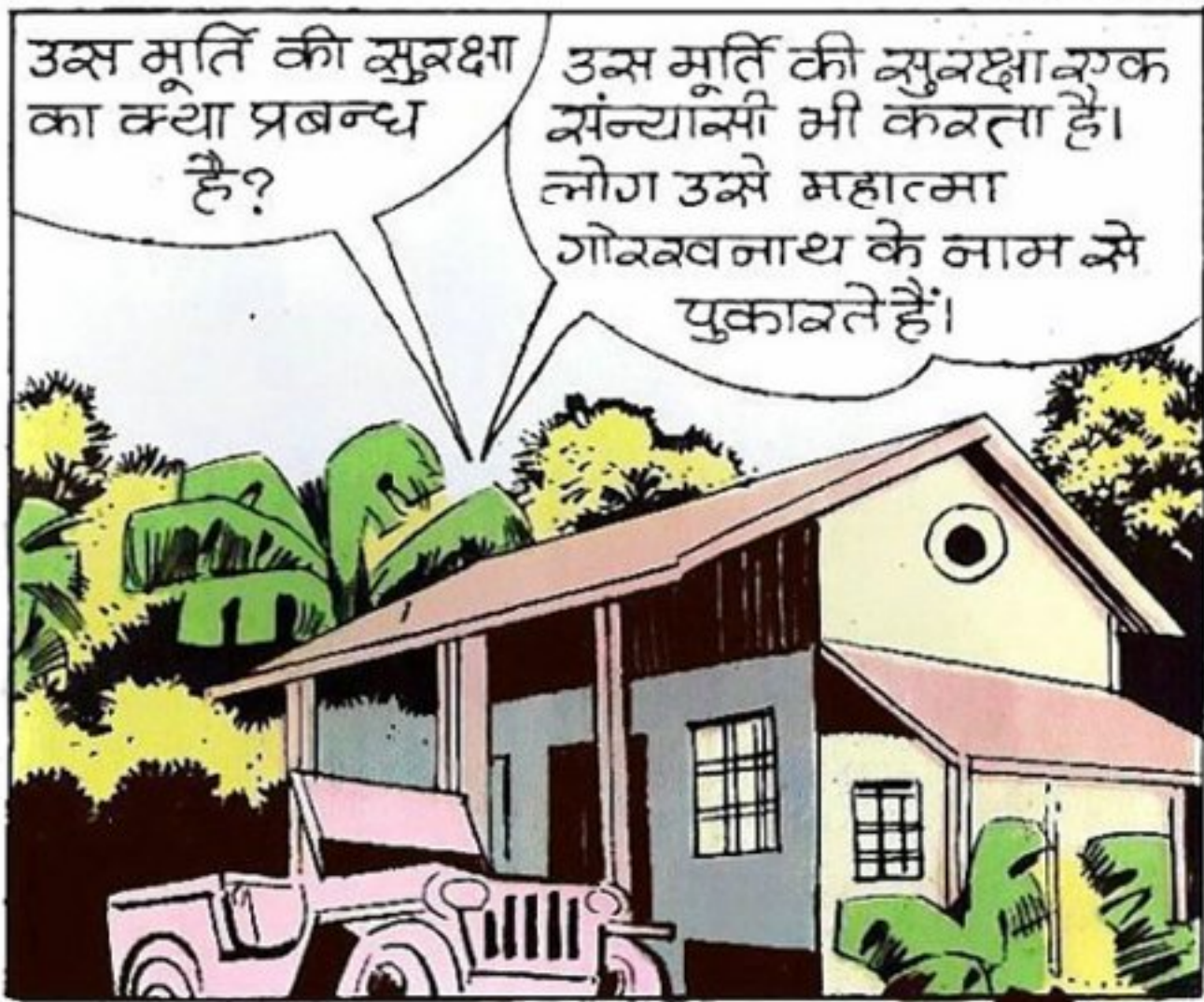
उस मूर्ति की सुरक्षा का क्या प्रबन्ध है?
उस मूर्ति की सुरक्षा एक संन्यासी भी करता है। लोग उसे महात्मा गोरखनाथ के नाम से पुकारते हैं।

वह संन्यासी आसाम के जंगलों में कहीं रहता है लेकिन उसका निवास किसी को मालूम नहीं। वह सफेद बालों वाला शक्तिशाली इन्सान है।
वह भी मुझे नहीं रोक सकेगा।

वह एक चमत्कारी इन्सान है। लोग कहते हैं कि उसकी आयु दो सौ वर्ष है। सभी कबीले वाले उसकी बात मानते हैं।
मैं उसका भी खेल खत्म कर दूंगा

नागराज ने मिशन पर रवाना होने की पूरी तैयारी कर ली।
क्या तुम किसी को साथ ले जाना चाहोगे?
नहीं, बस राका मुझे जंगल की सीमा तक छोड़ देगा।

मैं तुम्हें पुल के पास छोड़ दूंगा। वापसी में जीप वहीं मिल जाएगी।

पुल पार करके नागराज बस्ती में-
पहुंचा-
बस्ती में इंसानो का पहरा भी है। इसे गुजर जाने दूं।
जागते रहो

मन्दिर के पार्श्व भाग में-
बड़ी खतरनाक पहाड़ी पर खड़ी है इसकी पिछली दीवार।

नागराज खुरदरी दीवार पर आसानी से चढ़ गया।

और फिर शीघ्र ही-

नागराज नागरस्सी का प्रयोग करता है।
शूं...शूं...शूं...

अब चलूं नीचे मन्दिर के अन्दरूनी प्रांगण में।

नीचे पहुंचने पर-
बाहर के कपाट बंद हैं और मैं अंदर आ गया हूँ।

अब यह दरवाजा।

नागानन्द, नागराज का दायाँ हाथ-
नागानन्द! तुम जाकर पता लगाओ कि इसे अंदर से कैसे खोला जाता है।

ओह! दरवाजा खुल रहा है। मेरे शागिर्द ने अपना कमाल दिखा दिया।

बड़ा अलौकिक प्रकाश है यहाँ।

तभी-
फुस्स
फुस्स
फुस्स

अरे! नादानो मुझ पर जहर उगल रहे हो। ठहरो, अभी चखवाता हूँ मजा।
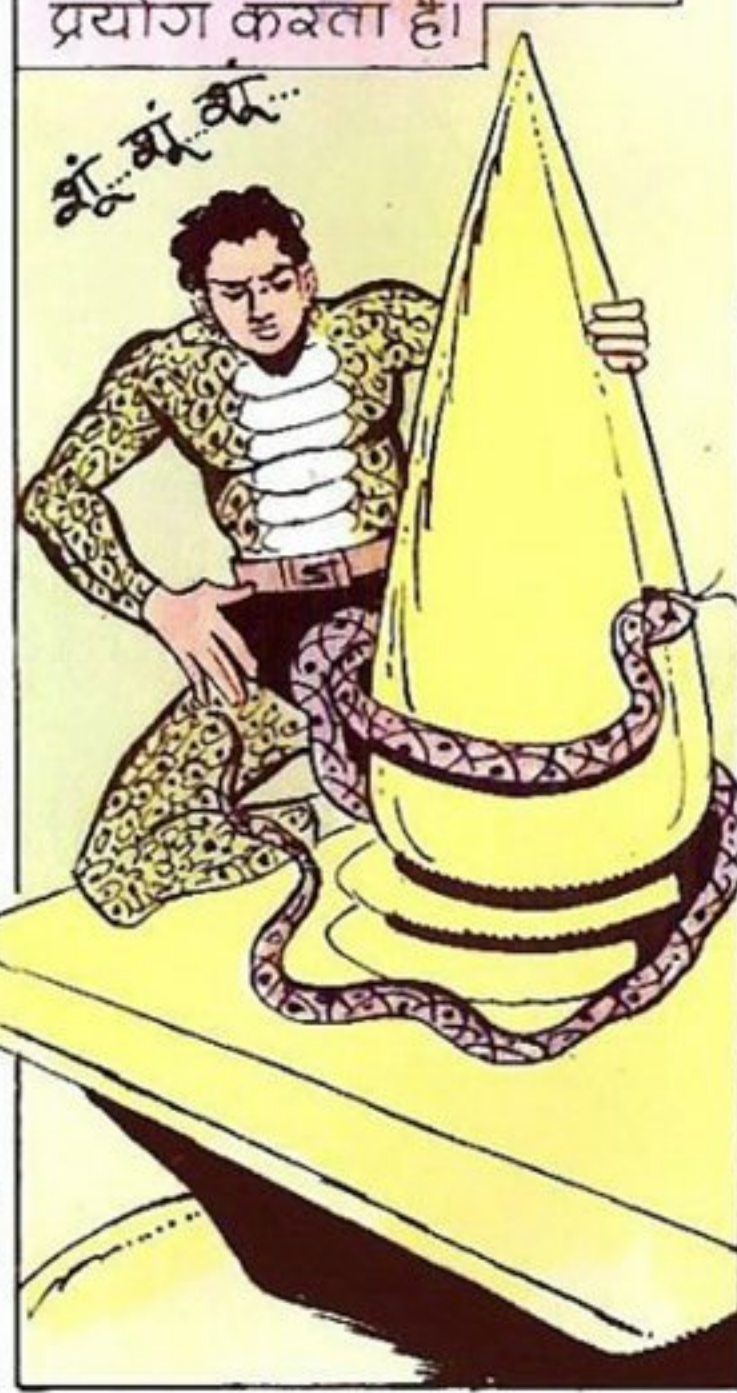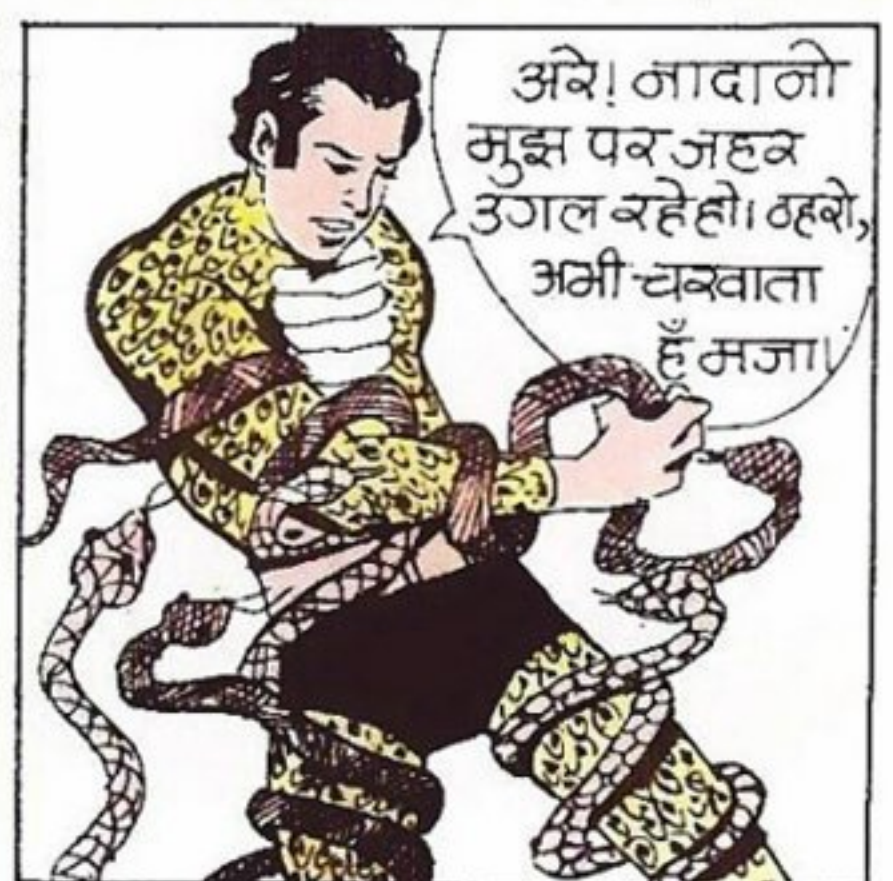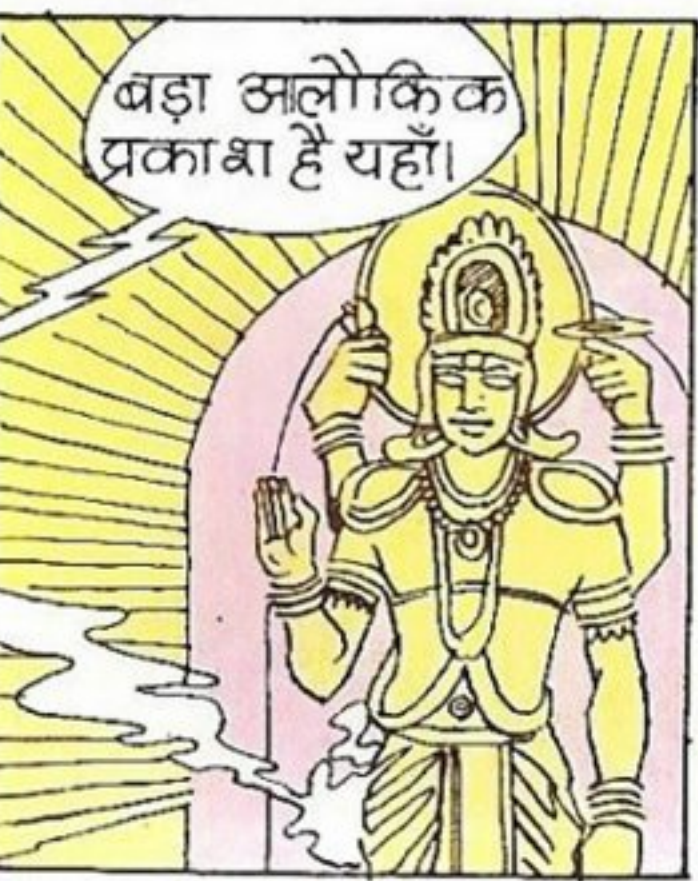
नागराज के शरीर पर डसने वाला साँप पानी बनकर पिघल जाता था।
देख लो नागराज पर जहर उगलने का अंजाम।
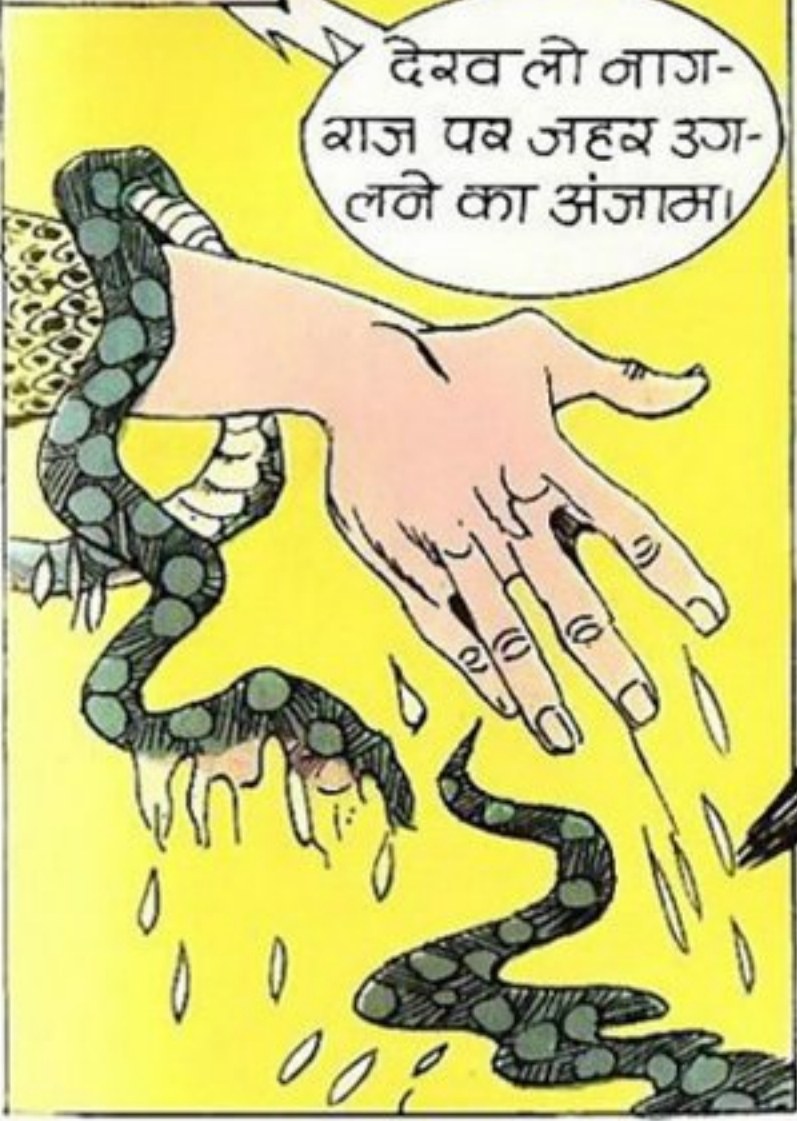
बचे हुए नाग, नागराज की जहरीली फुंकारों से धराशायी हो गए।

और फिर नागराज मूर्ति की तरफ लपका।

लेकिन तभी-
फुस्स्स ऽऽ फुस्स ऽऽ
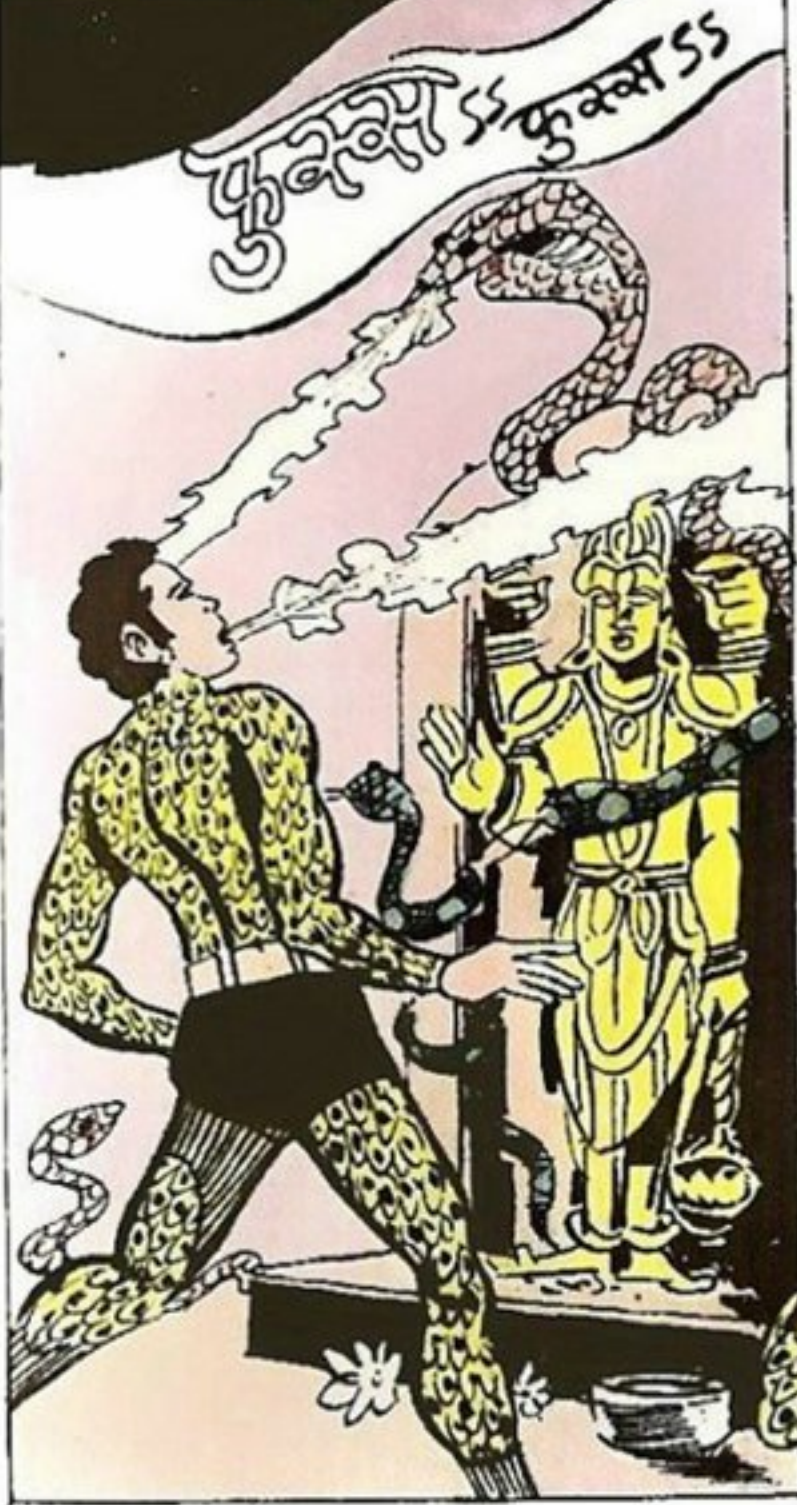
यह मुकाबला जोरदार रहेगा। मेरी जहरीली फुंकार का इस पर प्रभाव नहीं हुआ। इसका मतलब यह किसी विशेष दर्जे का नाग है।
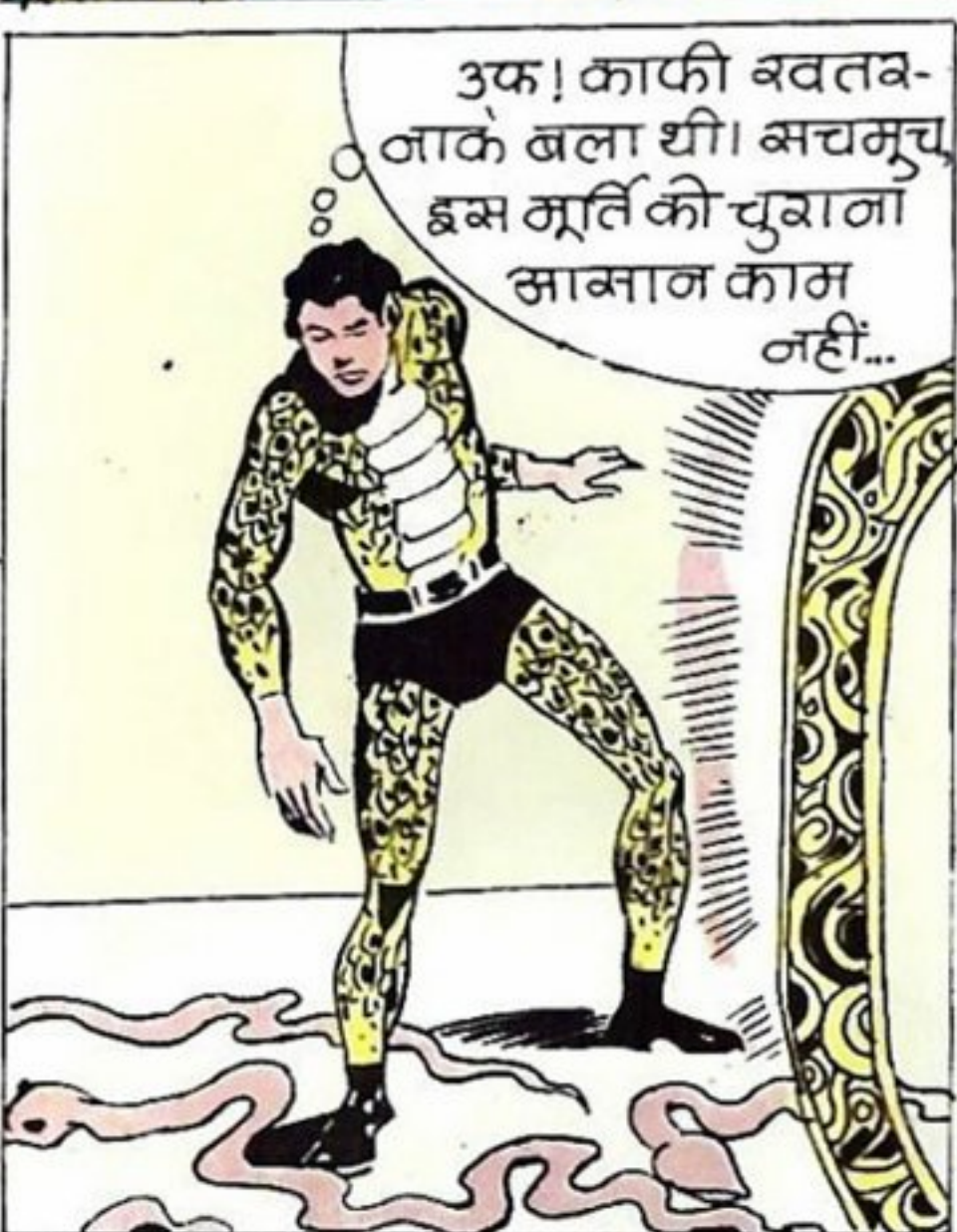
स्साँय...

फुस्स!
फुस्स!

फुस्स!ऽऽ
फुस्स!

धुप्प

धुप्प

उफ! काफी खतरनाक बला थी। सचमुच इस मूर्ति को चुराना आसान काम नहीं...

...लेकिन अब यह मूर्ति मेरे हाथों में है। अब यहाँ से चलना चाहिये।

और फिर-
शॅं:.. शॅं:..

गश्त करते चौकीदार ने मन्दिर के गुम्बद पर प्रकाश देखा तो-
वह कौन है मन्दिर के गुम्बद पर?
बस्ती में शंख और तुरही बज उठे, जो खतरे का संकेत था।
तु... हू... हू... हू
ओह! खतरा! मुझे इस बस्ती से तुरन्त निकल जाना चाहिए।

वह भाग रहा है। पकड़ो ...घेर लो जाने न पाये।

कबीलों को खबर कर दो। चारों तरफ से घेरा डालो।
सक
सक
तीर-भालों की बौछार चल पड़ी।
सक
जिप्प

सँ-सँ-सँऽऽ
साँप
साँप

चारों तरफ से घेरा डाला जा रहा है। मशालें ही मशालें।

ठाक
टुबिंग
साँय

मुझे इन ऊंचे वृक्षों का सहारा लेकर इनके सिरों के ऊपर से गुजर जाना चाहिए।

शीघ्र ही नागराज पुल पर पहुंच गया। वहां जीप खड़ी थी। वह जीप में सवार हो गया।

पूरी ताकत लगाने के बाद भी पेड़ टस से मस नहीं हो रहा है।
कोशिश करो, शायद तुम इसे हटाने में सफल हो जाओ।
जब तक इस पेड़ की शाख पर मेरा पाँव जमा हुआ है, तुम इसे उठा नहीं सकते।
यह तो कोई संन्यासी है, सफेद बालों वाला।
यह पेड़ तुमने गिराया है?
हाँ, मैंने गिराया है और मैं ही इसे हटा सकता हूं।
तुमने ऐसा क्यों किया?
मुझे वह मूर्ति चाहिये।
ओह! तो यह बात है। मेरा रास्ता रोकने का अर्थ जानते हो।
तुम जैसे इंसान का कोई रास्ता नहीं करता। तुम भटके हुये इंसान हो।

कहीं यह बाबा गोरख-नाथ तो नहीं?
तुम सही सोच रहे हो बालक! मैं ही गोरखनाथ हूँ। यह मूर्ति वापिस मन्दिर में जायेगी।

मैं तुम जैसे साधु-संतो की हत्या नहीं करता, इसलिए बेहतर है कि इस पेड़ को हटा दो और मुझे जाने दो।

लो, मैं तुम्हारी यह इच्छा भी पूरी किये देता हूँ।
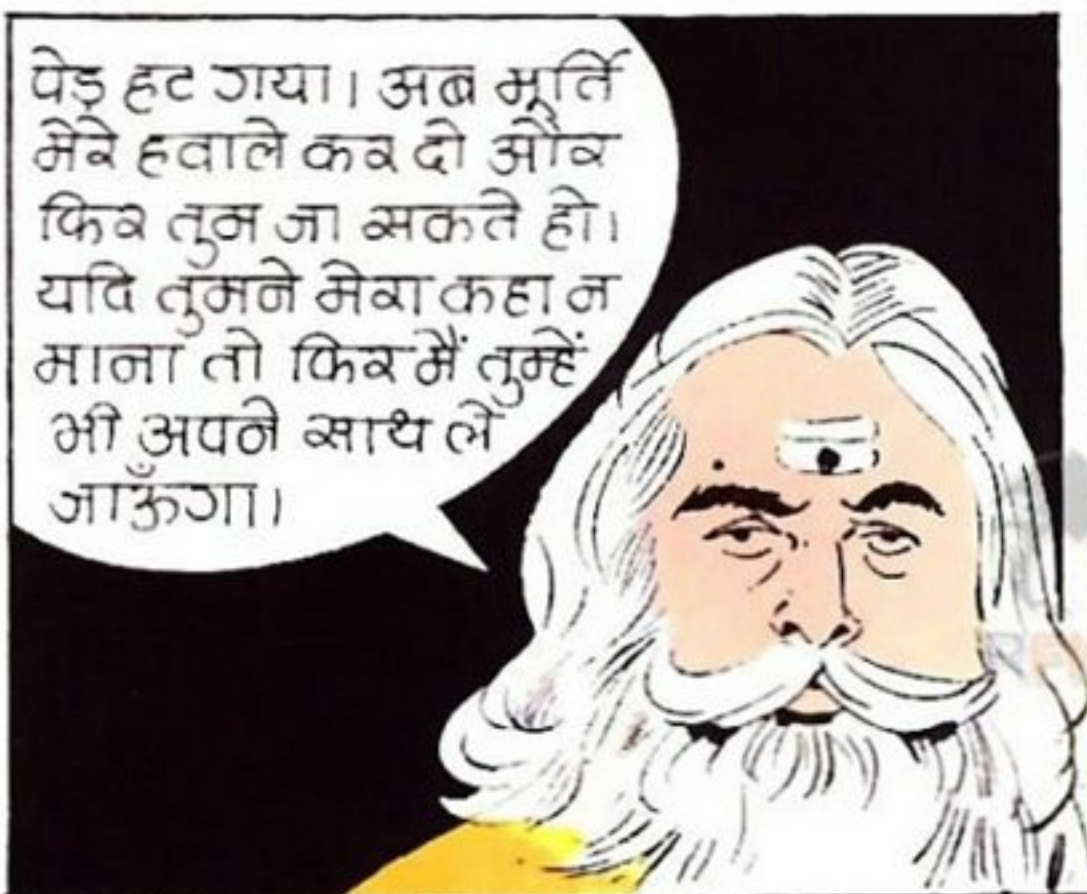
पेड़ हट गया। अब मूर्ति मेरे हवाले कर दो और फिर तुम जा सकते हो। यदि तुमने मेरा कहा न माना तो फिर मैं तुम्हें भी अपने साथ ले जाऊँगा।

और फिर तुम्हें दंड दिया जायेगा।
देखता हूँ तुम मुझसे मूर्ति कैसे हासिल करते हो। मैं जा रहा हूँ।

लेकिन-
ओह! मेरे गले में फंदा।

शूं
शूं
शूं..

मेरे सारे नाग वापिस पलट रहे हैं। उसके कंधे पर काला नेवला बैठा है। काला नेवला शिकांगी ।

शिकांगी! वह रस्सी तोड़कर फरार होना चाहता है।

फुस्स

फुस्स

शिकांगी नेवले का धारक बहुत बड़ा जादूगर होता है। मैं इसकी असीमित शक्ति का मुकाबला नहीं कर सकता। मुझे भाग जाना चाहिये।

शिकांगी नागराज के चारों तरफ घूमने लगा।
ओह! इसने मेरे चारों तरफ जादुई लकीर खींच दी है।

अगर यही इंसान अपनी शक्ति का प्रयोग मानवता की रक्षा के लिये करे तो लोग इसकी पूजा करेंगे।

महात्मा गोरखनाथ ने वशीकरण विद्या द्वारा नागराज के दिमागी हालात जानने शुरू कर दिये।

नागराज! तुम नागमणि जैसे शैतान के गुलाम हो। उसने तुम्हें बनाया है। इसका मतलब तुम्हारी अपनी कोई स्वतंत्र हस्ती नहीं।

नागमणि को किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। वह मन्दिर में दाखिल हो गया।
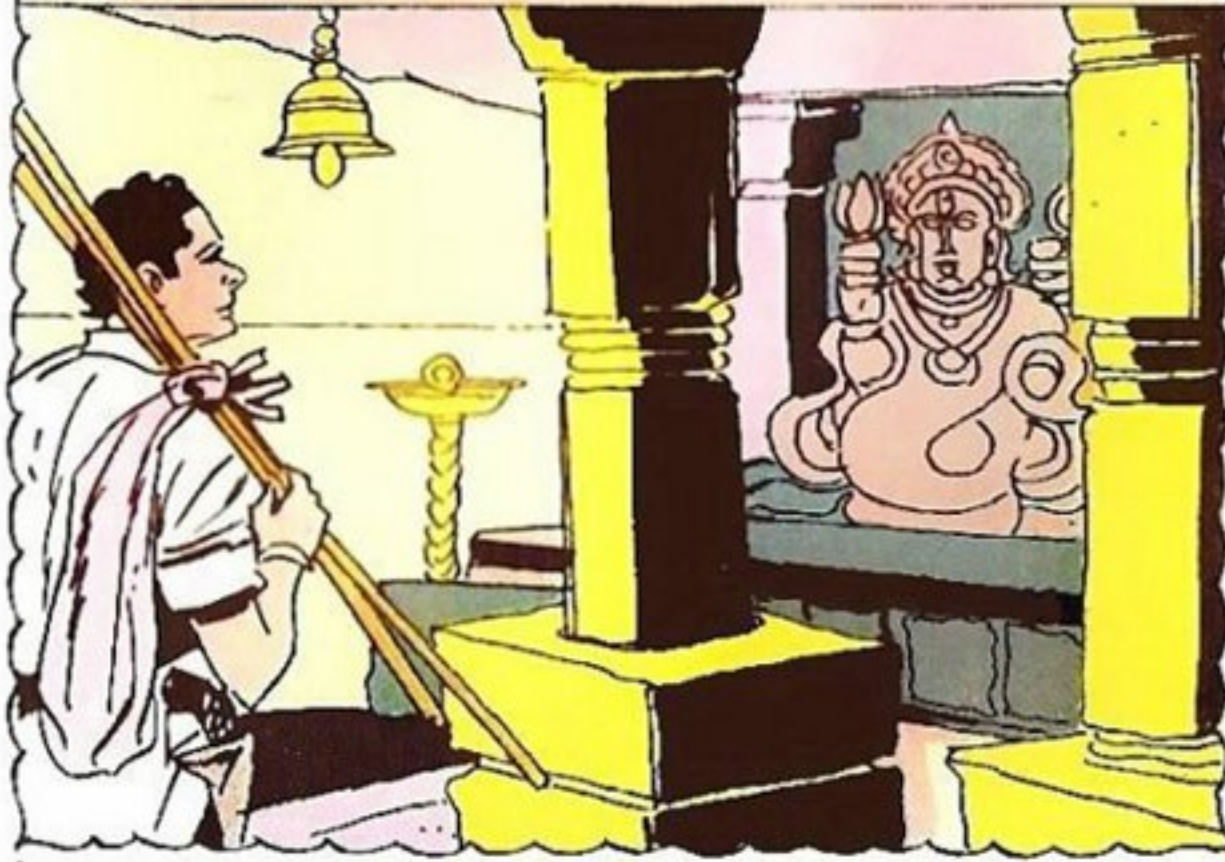
अरे, बच्चा! ओह, कितना प्यारा बच्चा है...
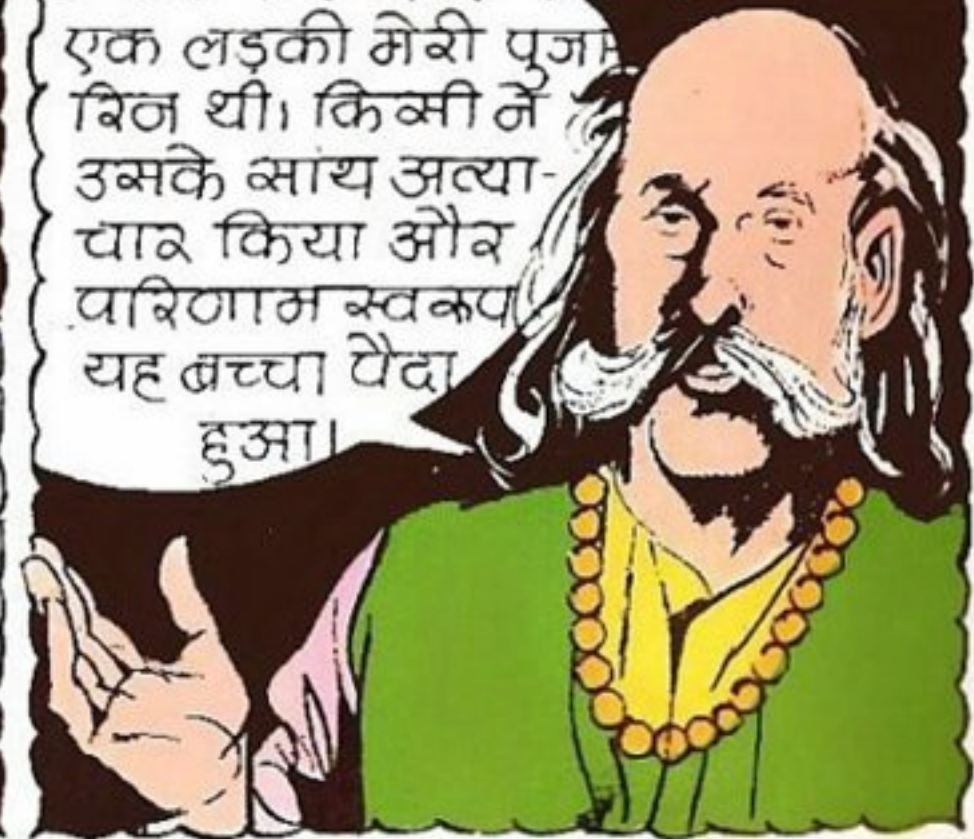
मरने से पहले उसने इस बच्चे को मेरी शरण में छोड़ दिया। तब से यह बच्चा इसी जगह है।
मुझे इस बच्चे के संरक्षक की जरूरत थी, जो इसे पालपोस कर जवान करे और इसे अपनी माँ के साथ हुये अन्याय का बदला लेने के काबिल बना सके।
मुझ पर विश्वास करो। मैं इसे वैसा ही बना दूँगा, जैसा तुम चाहते हो।
मैं इस बच्चे को पराक्रमी व बलवान बनाना चाहता हूं।
आज से बीस वर्ष बाद तुम इस जगह आना, मैं तुम्हें मृत अवस्था में मिलूँगा। तुम मेरे कंठ से विष की थैली निकाल लेना...
...और मेरे शरीर का भस्म बनाकर इस बच्चे को खिला देना। इसमें एक दिन मेरे जैसी योग्यताएँ स्वतः पैदा हो जायेंगी।
फिर वह साँप के रूप मे परिवर्तित हो गया।
परन्तु याद रहे, मेरी भस्म बनाकर खिलाने से पहले इस बच्चे को एक हजार जहरीले साँपों से डसवाना होगा। हल्के जहर से तुम इस पर प्रयोग करोगे।
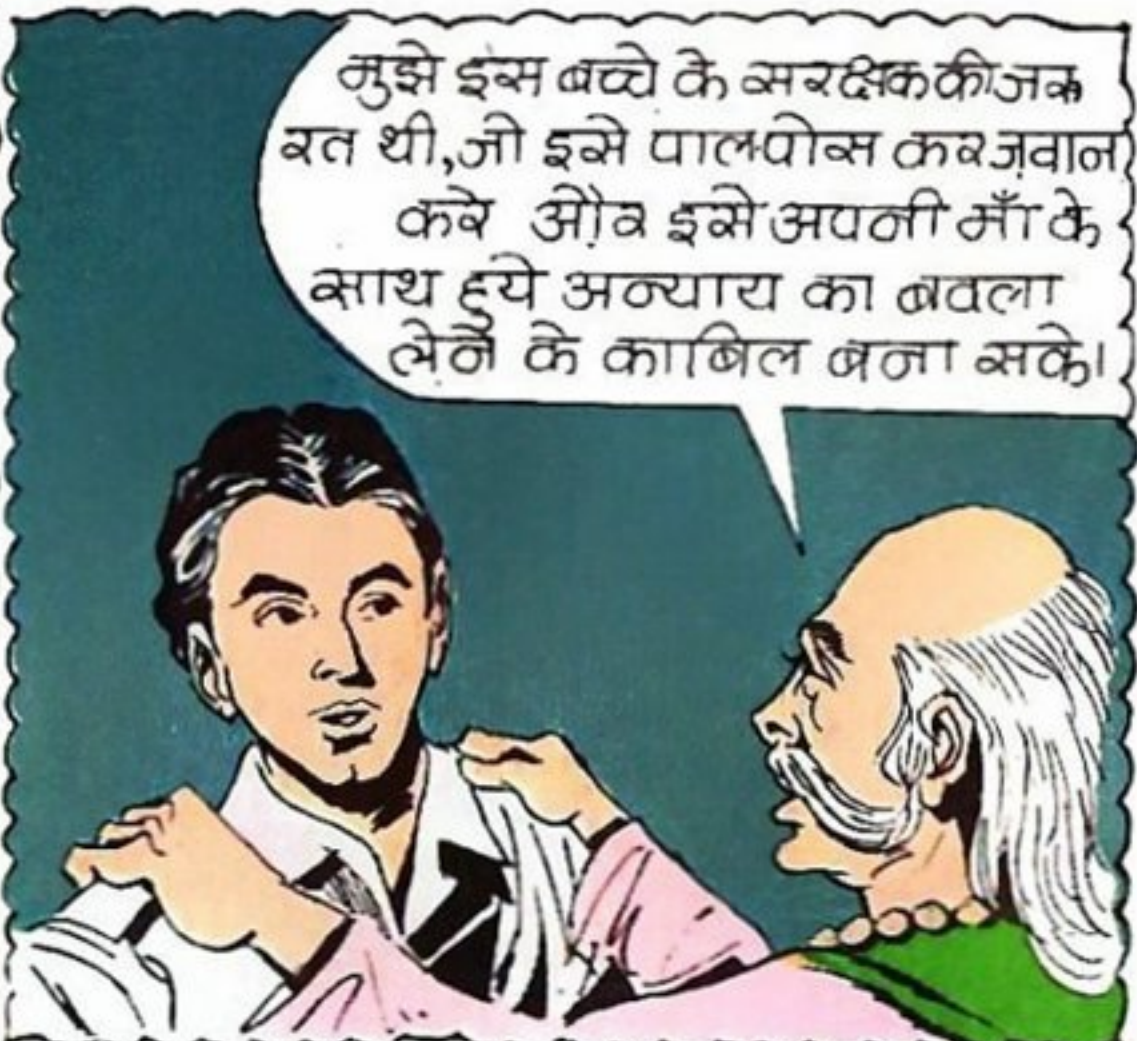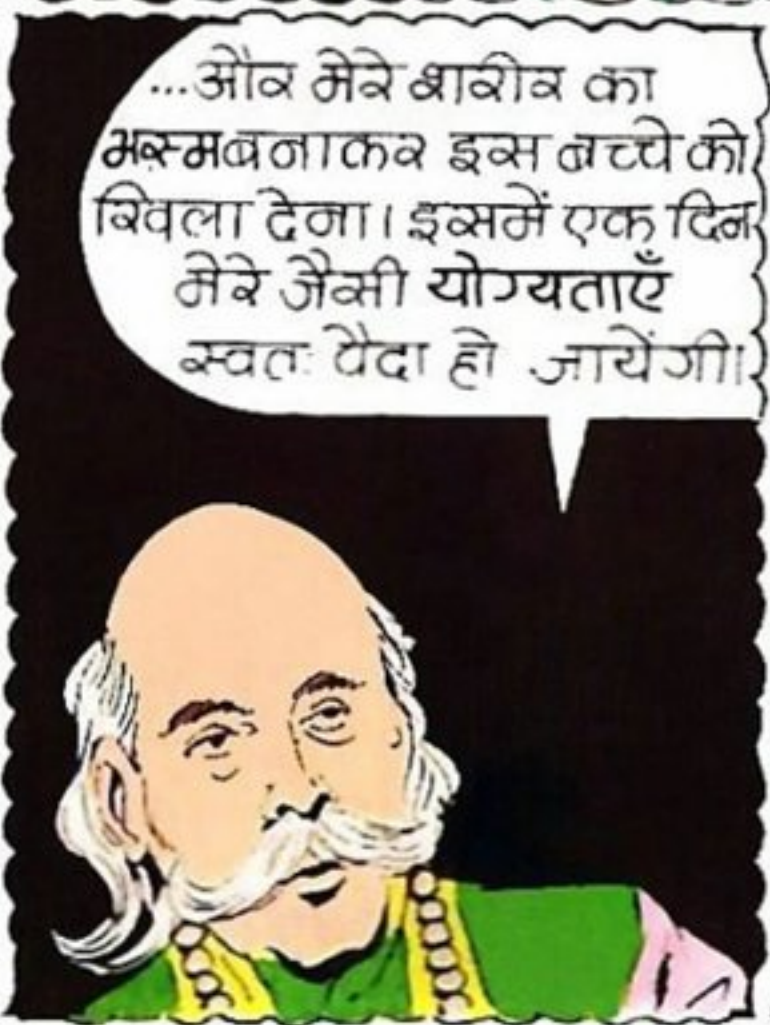
और सबसे अंत में तुम मेरे कंठ से निकली जहर की थैली से इसके शरीर में मालिश करोगे थोड़ा-सा जहर इसकी जिव्हा से स्पर्श कराओगे।
और तब यह नागराज बन जायेगा। सांपों की कोई भी नस्ल इसे पराजित न कर सकेगी।
ठीक है। मैं ऐसा ही करूंगा।
और नागमणि ने उस बच्चे पर प्रयोग शुरू कर दिया।
स्नेक मैन! यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा आविष्कार होगा।
जिस तरह राजा विष-कन्या बनाते थे, मैं विष नर बनाऊँगा। जिसके एक हज़ार साँप गुलाम होंगे।
नागमणि ने उस पर अपने जहरीले साँपों का प्रयोग प्रारम्भ कर दिया।
इसमें गजब की क्षमता पैदा होती जा रही है। धीरे धीरे इसकी क्षमता बढ़ती जायेगी।
नागमणि के घर में ही नागराज बड़ा हुआ।
अब वह वक्त आ गया है, जब इच्छाधारी की भस्म इसे खिलाई जाये।
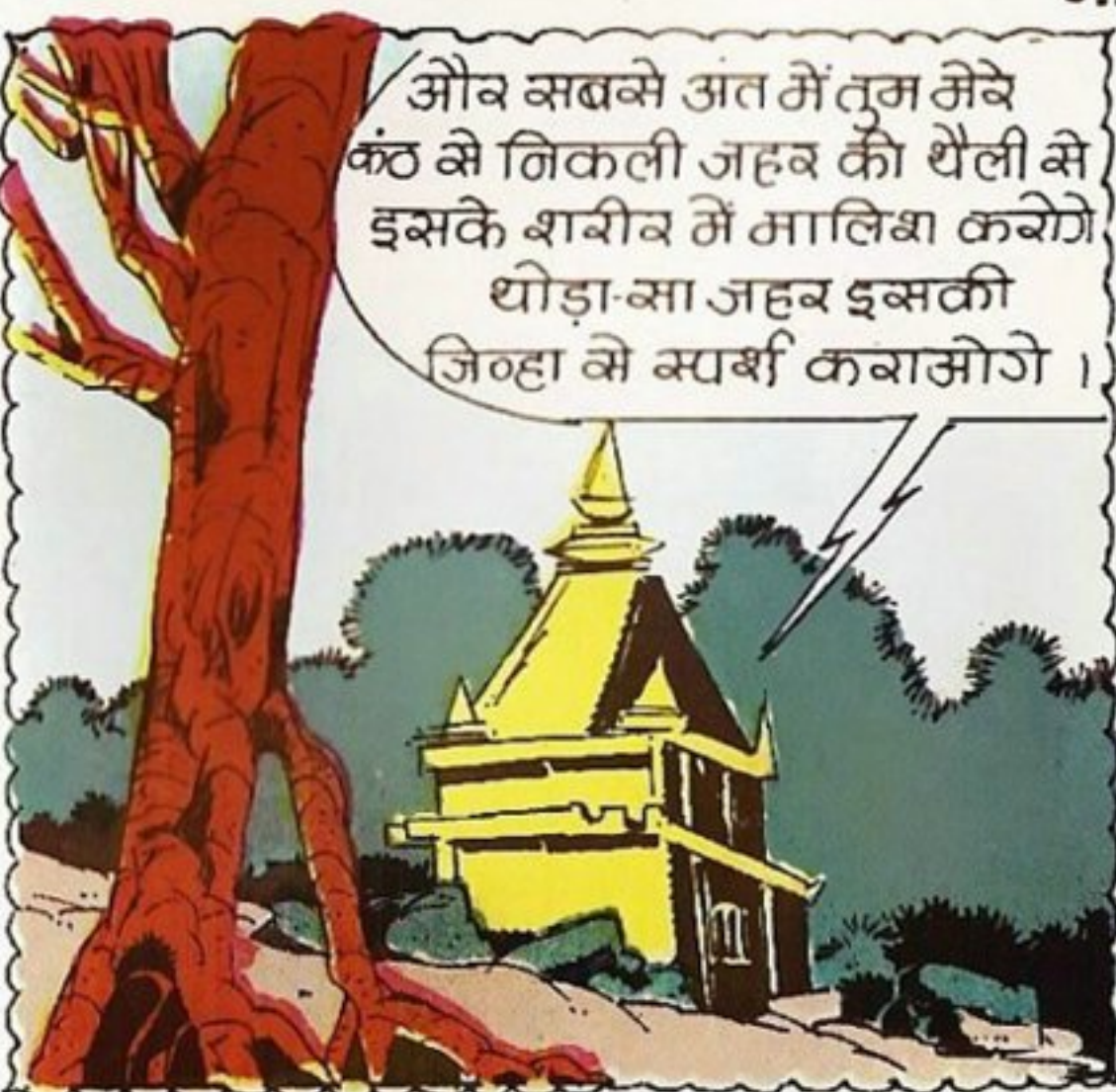
ओह, अभूतपूर्व! इसके जिस्म की रंगत बदलने लगी।

कुछ दिन बाद-

यह एक खौफनाक नाग की तरह नजर आ रहा है। जिसका चेहरा इंसानों जैसा है।

मैं सफल हो गया। नागराज पर अब मेरा अन्तिम प्रयोग बाकी है।

नागराज के जिस्म पर इच्छाधारी साँप के जहर की मालिश की गयी।

लेकिन मुझे इसके ब्रेन पर कंट्रोल रखना होगा। अब कुछ वर्षों बाद इस में इच्छाधारी साँप के सब गुण आ जायेंगे।

नागमणि ने नागराज के मस्तिष्क का आप्रेशन करके उसमें एक कैप्सूल फिक्स कर दिया।

अब इसकी अपनी कोई इच्छा नहीं होगी। जो मैं सोचूँगा वही इसकी सोच होगी।

SNAKES OF W...

नागराज! तुम मेरे गुलाम हो। तुम एक ऐसी मशीन हो, जो मेरे लिये काम करेगी।

हाँ आका! मैं आपका गुलाम हूँ।

एक हजार साँप तुम्हारे रक्त में अदृश्य हो चुके हैं। जब तुम उन्हें जगाओगे तो वह तुम्हारे हाथों से जिन्दा होकर बाहर निकल आयेंगे।

और एक दिन तुममें स्वत अदृश्य होने की शक्ति उत्पन्न होगी। तब तुम इच्छाधारी साँप की सम्पूर्ण योग्यतायें प्राप्त कर लोगे।
इस तरह...

...गोरखनाथ ने नागराज की उत्पत्ति की पूरी कहानी जान ली।
नागमणि इसे अपने स्वार्थ के लिये प्रयोग कर रहा है। इसके मस्तिष्क का कैप्सूल निकाल देना चाहिए

गोरखनाथ ने योग विद्याओं से नागराज के मस्तिष्क का आप्रेशन किया, और पिरोया गया कैप्सूल नष्ट कर दिया।
यह है वह कैप्सूल।
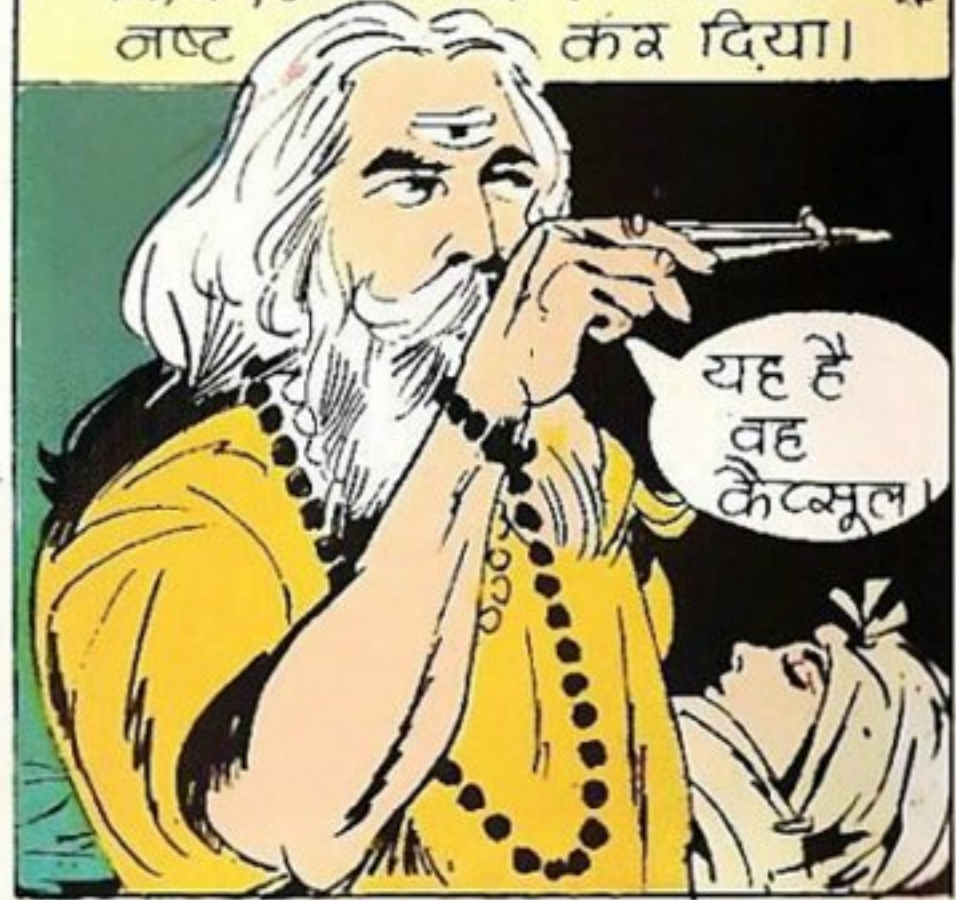
जब नागराज को होश आया-
अब तुम ठीक हो। तुम कैसा महसूस कर रहे हो?

बहुत तरो ताजा, जैसे कोई बोझ हट गया हो।

काला नेवला शिकांगी नस्ल का होता है, जिसके दर्शन भी दुर्लभ होते हैं।यह नेवला वशीकरण शक्ति का स्वामी माना जाता है। यह अपने आप में बहुत बड़ी जादुई शक्ति है। जंगली लोग इसकी पूजा करते हैं और जादूगर अपनी कला के लिये इसकी साधना करते हैं। यह नेवला गोरखनाथ ने बड़ी साधना से प्राप्त किया था और जब से शिकांगी उसके पास था, वह रहस्यमय शक्तियों का स्वामी बन गया था।
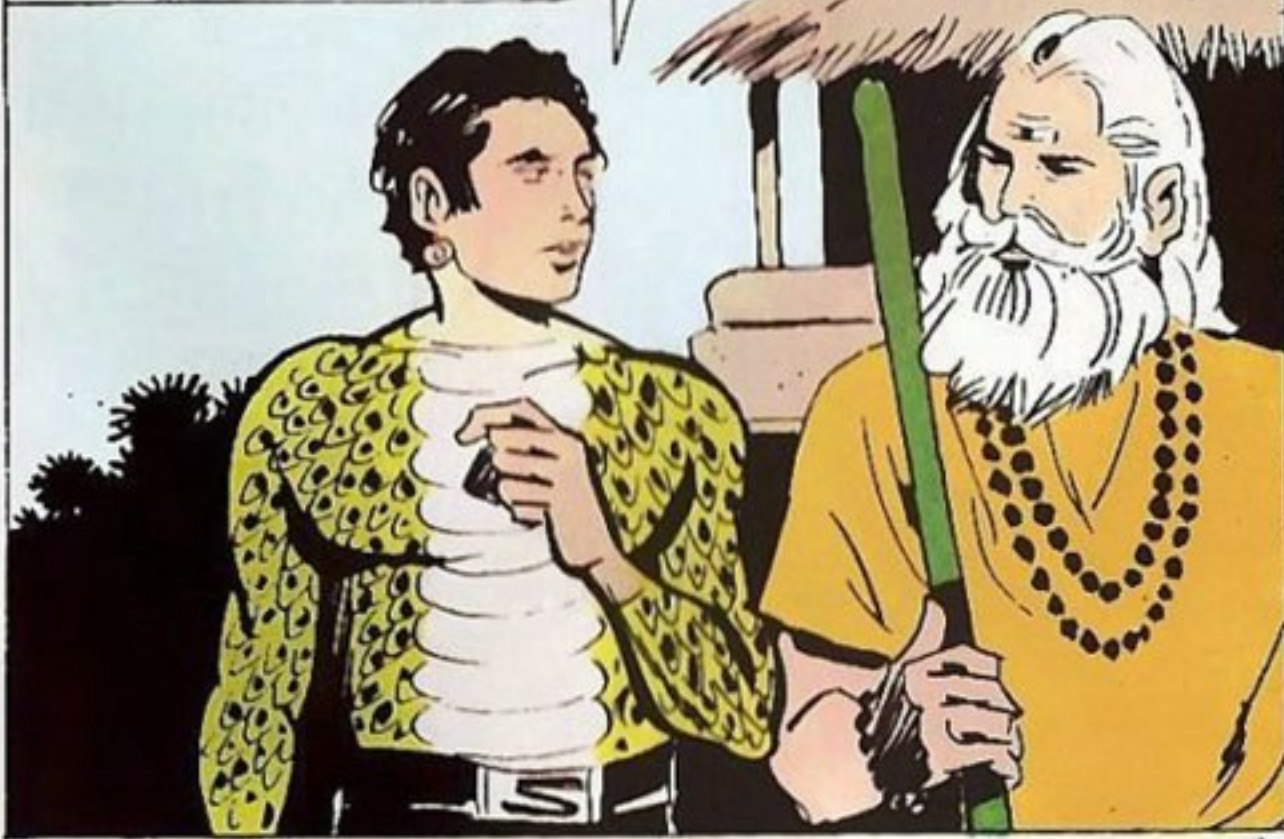
और जब भी तुम्हें मेरी आवश्यकता पड़े, तुम मुझे याद कर लेना। तुम मुझे अपने मस्तिष्क में खड़ा पाओगे। जाओ, मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।
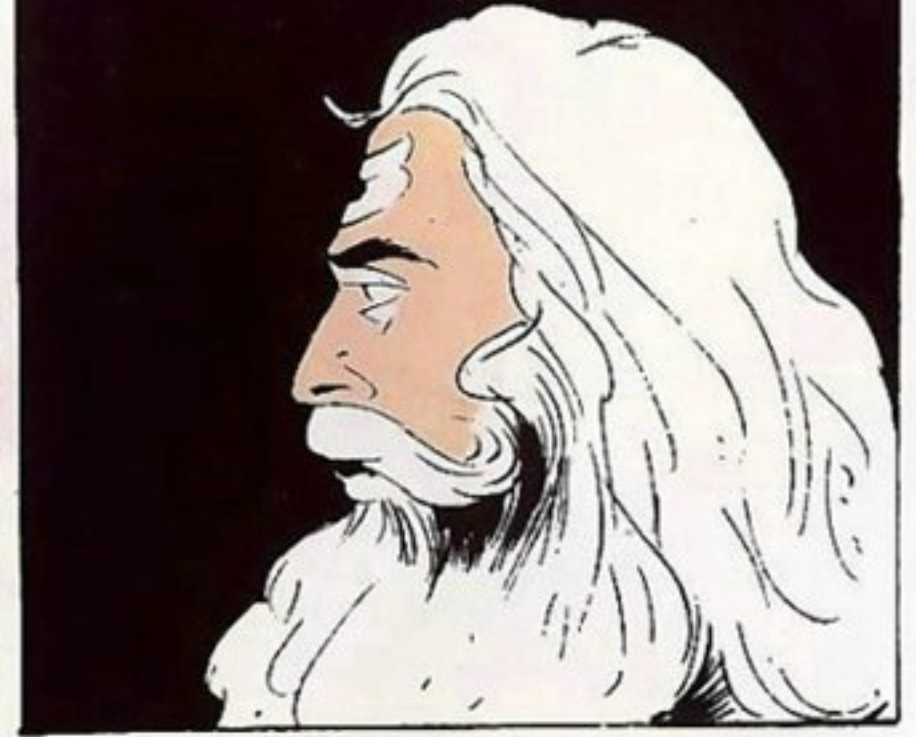
नागराज का नया जन्म हो चुका था। उसे बाबा गोरखनाथ का आशीर्वाद प्राप्त था और वह आतंकवादी गिरोहों के विरुद्ध उठ खड़ा हुआ था। अब देखना यह है कि उसका निशाना सबसे पहले कौन बनता है। उधर गोरखनाथ ने मूर्ति को यथास्थान उसी मन्दिर में स्थापित कर दिया। मूर्ति तत्काल लौट आने से सम्प्रदायिक हिंसा रुक गयी और कबीलों में गोरखनाथ की जयजयकार होने लगी।

नागराज अपने सफर पर निकल पड़ा।